दैनिक जागरण www.dainikjagranmpcg.com भोपाल, 28 जून 2025

सत्यकथा

भोपाल : मल्लिका-ए-हुश्न ने निकाह के नाम पर लगाया 1 बूढ़े और 4 युवकों को चूना

एक बेगम 5 शौहर

शकीना ने एक के बाद एक पांच युवकों से निकाह कर उनकी संपति हड़पने के बाद उनको बिस्तर से नीचे धका दिया था। यही उसने शफीक मियां के साथ भी किया लेकिन इस बार मामला पुलिस तक पहुंचने से शकीना खुद अपने जाल में उलझ कर रह गई।

नीलेन्द्र पटेल

कोई साल भर पुरानी बात है, 2024 में सितंबर महीने की 24 तारीख की बात है। सुबह का वक्त था जब राजधानी के निशातपुरा थाने में लुटी-पिटी सी शक्ल लिए लगभग 70-75 साल के बुजुर्ग मियां शफीक खान (बदला नाम) ने दस्तक दी।

थाना प्रभारी ने बूढ़े अशक्त फरियादी को देख जल्द से जल्द उनकी बात सुनी तो चौंके बिना न रह सके। दरअसल थाने आए शफीक मिया वैसे तो मूल रूप से गुना जिले में राघौगढ़ के रहने वाले थे। लेकिन बुढ़ापे में आकर उठी जवानी की लहर पर सवार होकर वो पिछले दो साल से भोपाल में लक्ष्मी टॉकीज के पास आकर रहने लगे थे।

मसला जवानी द्वारा बूढ़े मियां को लूटे जाने का था जिसका लब्बोलुआब उनके बयानों से कुछ इस तरह बयां हुआ कि उनके आवेदन पर लगभग एक साल चली पूरी जांच के बाद निशातपुरा पुलिस ने उनकी जवां बेगम 35 साल की शकीना बी (बदला नाम) और उसके आशिक तथा लिव इन पार्टनर फरहान को धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं का आरोपी बनाकर गिरफ्तार कर लिया। जैसा की होता है पकड़े जाने के बाद शकीना और इरफान ने खुद को निर्दोष बताया लेकिन जांच में सामने आए तथ्य शकीना को शातिर साबित करने के लिए पर्याप्त थे। इतना ही नहीं दौरान-ए-तहकीकात पुलिस को इस बात का इल्म भी हो गया था कि शकीना, अकेले शफीक मियां को ही नहीं बल्कि और चार दूसरे लोगों को इसी तरह से अपने हुश्न के जाल में फंसा कर धन-दौलत ने नंगा करने के बाद दुत्कार चुकी है। इसलिए पुलिस ने उसकी एक न सुनते हुए अदालत में पेश किया जहां से इस शातिर हसीना और उनके आशिक फरहान को जेल भेज दिया गया।

राघौगढ़ निवासी शफीक मियां सरकारी स्कूल में मास्टर की नौकरी से रिटायर्ड हुए थे। उनकी बेगम साहिबा का इंतकाल कई साल पहले हो चुका है इसलिए नौकरी के दौरान की गई बचत और अब मिल रही सरकारी पेंशन से उनके दिन आराम से बीत रहे थे।

बुढ़ापे में तन मांगे न मांगे, मन तो किसी न किसी साथी का संग मांगता ही है। सो शफीक मियां को अगर कोई परेशानी थी तो बस इतनी कि उनके अकेलेपन का कोई साथी न था।

शफीक के पड़ोस में की रुखसाना नाम की एक खातून रहा करती है। पड़ोसी होने के नाते कभी कभार शफीक मियां का उठना-बैठना रुखसाना के शौहर के साथ होता रहता था। जिनके साथ होने वाली बातों से रुखसाना ने इतना अंदाजा तो लगा ही लिया था कि शफीक मियां अपने अकेलेपन से परेशान है। इसलिए एक रोज मौका देखकर रुखसाना ने शफीक मियां को सलाह दी कि भोपाल में उनकी बहन शकीना रहती है। उसकी उम्र भी ज्यादा नहीं है हां लेकिन इतनी कम भी नहीं कि आपके साथ रिश्ते में उसे कोई ऐतराज हो। उसका तलाक हो चुका है। उसे भी एक संग की जरूरत है इसलिए अगर आप को ऐतराज न हो तो मैं उससे बात करूं।

लगातार..

demo pic.

demo pic.

17 की उम्र से लगाने लगी थी मर्दों का चूना

पुलिस के अनुसार 35 साल की शकीना पिछले दो दशक ने लोगों को ठगी का शिकार बना रही है। पहली ठगी उसने 17 साल की उम्र में की थी। तभी से वह लोगों को अपने प्रेमजाल में फंसाकर ठगने का काम कर रही है। अब तक की जांच में सामने आया है कि वह पांच लोगों के साथ ठगी कर चुकी है।

...पृष्ठ 1 से जारी

भोपाल का चर्चित मामला

निकाह के नाम पर पांच लोगों का चूना लगाने वाली आरोपी बेगम।

सत्तर की उम्र में 32 की बेगम मिलने की बात सुनकर शफीक मियां के मन में फुलझड़ी फूट पड़ी। उन्होंने कहा कैसी बात करती हो, नेकी और पूछ-पूछ। आप अपनी बहन से बात करे अगर उनको कोई ऐतराज न हो तो मैं आपका यह अहसान हमेशा याद रखूंगा।

वह रात शफीक मियां की करवट बदलते हुए कटी। उन्होंने पूरी रात में दसियों बार ऊपर वाले का याद कर प्रार्थना की कि शकीना बेगम मना न करें।

दूसरे ही दिन सुबह-सुबह रुखसाना ने उन्हें बताया कि शकीना ने हामी भर दी है आप भोपाल जाकर उससे मिल ले। उतावले शफीक मियां दो दिन बाद ही शेरवानी पहनकर भोपाल में आकर शकीना से मिले तो उसके हुश्न को देखकर उन्हें अपनी किस्मत पर भरोसा नहीं हुआ।

शकीना ने उनका खूब स्वागत किया जिसके बाद रात में बच्चों को दूसरे कमरे में सुलाकर खुद उसने अपना पलंग अंदर शफीक मियां के पलंग के साथ लगा लिया। दोनों साथ लगे पलंग पर लेटकर कुछ देर तक बातें करते रहें जिसके बाद शफीक मियां ने शराफत सिरहाने रखकर अपना हाथ बढ़ाकर शकीना का हाथ थाम लिया तो शकीना उठकर उनके पलंग पर आ गई।

शकीना का पहला शौहर सागेर।

बुढ़ापा कारगर साबित हुआ तो शफीक मियां को खुद पर गर्व होने लगा। इसलिए उन्होंने अगले दिन वापस राघौगढ़ जाने का इरादा त्याग दिया। अब शकीना और शफीक मियां की जिंदगी आसानी से कटने लगी। इस बीच शकीना ने उसकी मुलाकात फरहान से भी यह कहते हुए करवा दी कि जब तक जिंदगी में आप न थे तब तक मेरे बाहर के कामों में फरहान ही मदद करता था।

जवान मासूका की हर बात में बूढ़े माशूक को हां में हां मिलानी ही पड़ती है। इसलिए उस रोज के बाद फरहान अक्सर शकीना और शफीक से मिलने घर आने लगा। शफीक मियां ने पुलिस को बताया कि 22 सितंबर 23 को फरहान उन्हें अपने साथ गाड़ी पर लेकर करोंद में मकसूद भाई के आफिस में ले गया जहां शकीना पहले से मौजूद थी। थोड़ी देर में वहां काजी जुनैद आ गए जिसके बाद उन्होंने मेरा शकीना के साथ निकाह पढ़वा दिया।

शफीक ने बताया कि निकाह होते ही शकीना ने गिरगिट की तरह रंग बदल लिया। यहां तक कि बिना निकाह किए मेरे साथ सोने वाली शकीना निकाह के बाद पहली रात में ही दूसरे कमरे में सोई जहां रात के समय मुझे उसकी और फरहान की बातों की आवाज आती रही।

सत्तर की उम्र पार कर चुके शफीक मियां को अपने से आधी उम्र की बेगम मिल जाने पर वह मारे खुशी के फूले नहीं समाए। उन्हें भरोसा था कि उनकी बूढ़ी नशे बेगम के हुश्न के तूफान को काबू करने के लिए काफी है लेकिन उनको यह नहीं मालूम था कि उनका मुकाबला हुश्न से नहीं हुश्न के बुने शातिर जाल से है।

दूसरे निकाह के समय शौहर मुनव्वर के साथ शकीना।

यह अजूबी बात थी लेकिन मैंने इसे दिल पर नहीं लिया। लेकिन शादी के चंद रोज बाद ही शकीना ने मुझे दो बार जरूरत के नाम पर 8-8 लाख रुपए लिए। कुछ दिनों बाद उसने मेरी ओमनी गाड़ी भी अपने नाम ट्रांसफर करवा कर ढाई लाख में बेच दी। मुझे कुछ ठीक नहीं लग रहा था क्योंकि अब शकीना रातों में मेरे से अलग सोने लगी थी। एक रोज मैंने उससे इसका कारण पूछा तो वह बेशर्मी से बोली तुमसे कुछ होता-जाता तो है नहीं तुम्हारे साथ सोकर मन खराब होने के अलावा और कुछ नहीं होता।

उसकी बात सुनकर मुझे बुरा लगा तो वह बोली अरे तुम तो बुरा मान गए। मेरा भी बहुत मन होता है तुमसे प्यार करने का तुम चिंता मत करो आज मैं मेडिकल से जाकर दवा लेकर आऊंगी। सचमुच ही उस रात उसने मुझे खाने के बाद दो नीली गोलियां खाने को दी जिससे मेरे शरीर में आश्चर्यजनक परिवर्तन देखने में आया लेकिन उसके बाद उसने मेरे साथ प्यार तो नहीं किया उल्टे मेरे साथ अपनी कुछ अश्लील फोटो खींच ली।

इसके बाद तो फरहान भी खुलकर सामने आ गया और शकीना तथा फरहान दोनों मिलकर मुझसे आए दिन बड़ी रकम जरूरत के नाम पर लेने लगे। इतना ही नहीं इस दौरान शकीना ने मुझे भोपाल में एक प्लाट खरीदने की सलाह दी जिसे मैंने मान लिया लेकिन उसने मुझसे पैसा लेकर वह प्लाट भी अपने नाम पर खरीदा जिसके कुछ दिनों बाद मेरी पेंशन के कागज अपने कब्जे में कर मुझे घर से बाहर निकाल दिया क्योंकि मुझे मालूम चल गया था कि फरहान उसका सहयोगी नहीं बल्कि प्रेमी है जिसके साथ वह रोज रात को मुझे अलग सुलाकर पास के कमरे में हमबिस्तर हुआ करती थी। कहना नहीं होगा कि बुढ़ापे में जवान बेगम पाने की अपनी चाहत को कोश रहे शफीक मियां आजकल निशातपुरा थाने की चक्कर लगा रहे हैं ताकि अपना डूबा पैसा वापस हासिल कर सके।

इस मामले में जांच अधिकारी का कहना है कि फरियादी की शिकायत सही पाए जाने पर फरहान और युवती को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही सामने आया है कि शकीना ने केवल फरियादी को ही नहीं बल्कि इससे पहले चार दूसरे युवकों को भी इसी तरह से चूना लगाकर उनकी संपति हड़प कर ली है। इनमें से तीन की पहचान हो चुकी है जबकि चौथे शौहर की तलाश की जा रही है।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

शफीक है पांचवा शिकार

आरोपी बेगम पांचवें शौहर शफीक मियां के साथ जिनकी ओमनी गाड़ी बेगम ने अपने नाम करवाकर बेच दी।

जांच में सामने आया है कि शकीना शफीक से पहले चार और युवकों को इसी तरह निकाह के नाम पर चूना लगा चुकी है। पुलिस के अनुसार शकीना ने सबसे पहले भोपाल के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी सागेर खान को धोखा दिया। साल 2007 में दोनों की शादी हुई थी। सागेर के साथ शकीना तीन साल तक उसकी बेगम बनकर ही नहीं बल्कि उसने सागेर से दो संतानों को भी जन्म दिया। इस दौरान शकीना ने सागेर पर भी अपने हुश्न का जाल कुछ इस तरह फेंका की उसने न केवल संपत्ति अपने नाम की बल्कि मकान के कागजात भी खुद के नाम से तैयार करा लिए। जब पूरी संपत्ति पर शकीना का कब्जा हो गया तो उसने सागेर को छोड़ दिया। इस हादसे में सागेर मानसिक रूप से विक्षिप्त हो गया जिससे उसके 18 वर्षीय बेटे ने अपनी ही मां के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद शकीना ने भोपाल के नारियल खेड़ा निवासी सनवर खान को अपना निशाना बनाया। शकीना और सनवर की मुलाकात एक रिश्तेदार की शादी में हुई थी। दोनों में दोस्ती हुई। कुछ दिन बाद शादी हो गई। इस शादी से शकीना को दो बच्चे हुए। वह सनवर खान के साथ लगभग दो साल तक एक ही घर में रही। इस दौरान शकीना ने सनवर खान की पूरी प्रॉपर्टी और पेंशन के कागज अपने कब्जे में ले लिए। जब सारी प्रॉपर्टी पर कब्जा हो गया तो दो साल बाद वह बच्चों और पति को छोड़कर चली गई। जाते-जाते सनवर की पूरी कमाई, नकद राशि और अन्य घरेलू सामान लेकर गायब हो गई।

बिना तलाक दिए किया था निकाह

पुलिस जांच में सामने आया है कि शकीना ने अपने पूर्व शौहर सन्नबर खान से तलाक लिए बिना शफीक से निकाह किया था। शकीना के पूर्व के पतियों से चार बच्चे है जिनमें से दो बेटियों की शादी हो चुकी है।

प्रेमी के खिलाफ दर्ज करवाया था बेटी से बलात्कार का मामला

शकीना अपने सहयोगी फरहान खान के साथ मिलकर ठगी का पूरा नेटवर्क संचालित कर रही थी। फरहान रायसेन जिले की फिजा कॉलोनी का रहने वाला है। शकीना ने फरहान के साथ मिलकर ही सनवर और सागेर को फांसा था। कुछ दिन बाद शकीना ने फरहान को भी अपने जाल में फंसा लिया। उसने फरहान के खिलाफ अपने पहले पति की बेटी से झूठे आरोप लगवाए और ब्लैकमेल किया। उससे करीब 6 लाख रुपए वसूल लिए। लेकिन ठगे जाने के बाद भी फरहान शकीना का ऐसा दीवाना था कि वो बाद में उसके साथ बने रहने के लिए उसकी ठगी की योजना में शमिल हो गया।

प्रेमी फरहान के साथ शकीना।

शिवपुरी

खुले आसमान तले लड़कियों संग नाइट पार्टी के नाम पर युवकों को ठग रहा था शातिर गिरोह

खुले आसमान के नीचे इंज्वाय करने का सुख एक बार उठाओगे तो बार-बार मेरे पास आओगे, विश्वास भरे स्वर में मालती ने राजेश ने कहा तो वह इस अनोखी पार्टी के लिए राजी हो गया। मगर राजेश को क्या पता था कि खुले आसमान के नीचे इस पार्टी में उसके सिर पर कौन सी बिजली गिरने वाली है।

भाई फिर पक्का है न आज का प्रोग्राम?

हां, बस ऐन वक्त पर तुम मत पसर जाना।

अरे नहीं यार मेरा तो चलना तय है विजय फट्टू है उसे तुम संभालना।

30 मई की सुबह यह वार्तालाप हो रहा था दतिया जिले के एक गांव में रहने वाले दो दोस्तों के बीच जो उस रोज शिवपुरी जिले के एक गांव में दो यंग गर्ल्स के साथ मस्ती करने के लिए जाने वाले थे। इस ग्रुप में तीन दोस्त थे। राजेश, मदन और विजय (तीनों बदले नाम)।

वे जिस पार्टी की बात कर रहे थे उसकी योजना तो चार रोज पहले बनी थी लेकिन कोई महीने भर पहले राजेश के मोबाइल पर रांग नंबर से आए एक फोन के बाद इस पार्टी की भूमिका बनना शुरु हो गई थी। दरअसल रांग नंबर से आए फोन पर सामने की तरफ कोई युवती थी। पहली बार तो सामान्य सी बात के बाद फोन काट दिया गया था लेकिन उसके बाद से वह युवती लगातार यह कहते हुए राजेश से कई बार बात कर चुकी थी कि राजेश की आवाज बहुत सेक्सी है जिसे सुनकर उसे अजीब सा सुख मिलता है।

अमन सिंह राठौर, एसपी

किसी भी पुरुष के लिए चने के झाड़ पर चढ़ा देने के लिए यह एक शब्द ही काफी है, अगर यह किसी महिला के द्वारा कहा जाए।

सामने से फोन करने वाली मालती(बदला नाम) नाम की युवती ये यह शब्द सुनकर राजेश भी पगला गया था। इसलिए दो दिन बाद ही वह खुद अपनी तरफ से उसे फोन लगाने लगा।

शिवपुरी से इश्लाम शाह

जिसके चलते हफ्ते भर बाद ही मालती ने उससे कहा - सुनो तुमसे मिलने का बहुत मन करता है। सोचती हूं जिसकी आवाज इतनी सेक्सी है खुद वो कैसा होगा।

तो दतिया आ जाओ मिलने, राजेश ने कहा।

अरे यार कर दी न लड़कियों वाली बात।

क्यों इसमें लड़कियों वाली क्या बात है।

क्यों नहीं है, मिलने मिलाने की जिम्मेदारी उठाना मर्द का काम है।

और तुम लोगों का काम क्या है?

हम लोगों का काम तो मिलने के लिए आने वाले मर्द को खुश करने का है।

आऊंगा तो खुश कर दोगी।

बिलकुल करुंगी। कब आ रहे हो?

देखता हूं, थोड़ा किसानी के काम से फुरसत हो जाए फिर आता हूं। राजेश ने मालती से कहा तो उस रोज के बाद से दोनों की बातों में दोस्ती के बजाए सेक्स का तड़का लग गया। मालती हर बार उसे शिवपुरी आने को कहती थी लेकिन राजेश अकेले उससे मिलने जाने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था। इसलिए उसने मालती के साथ होने वाली बातों के बारे में अपने दो दोस्त मदन और विजय को बताया तो वे भी राजेश के साथ शिवपुरी चलने राजी हो गए। यह बात राजेश ने मालती को बताई तो वह बोली कोई बात नहीं मेरे पड़ोस में दो लड़कियां रहती है मैं उन्हें राजी कर लूंगी। लेकिन हम सबको खेत में मिलना पड़ेगा। क्योंकि मेरे घर में छह लोगों की जगह नहीं है। वैसे भी खुले नीले आसमान के नीचे प्यार करने का मजा ही कुछ और है।

पहले कर चुकी हो क्या खुले आसमान के नीचे? लेकिन तुम्हारे दोस्तों को उन दो लड़कियों को कुछ देना पड़ेगा।

मनोज राजपूत, टीआई

मालती खुल कर बात कर रही थी। लड़कियां पैसा लेकर मस्ती करेगी, यह सब जानने के बाद भी राजेश, विजय और मदन की आंखें नहीं खुली। उन्होंने एक बार भी नहीं सोचा कि कही वे किसी परेशानी में फंसने तो नहीं जा रहे। राजेश ने 30 मई के रात में मालती से मिलने का वादा करने के बाद विजय और मदन को भी उस दिन तैयार रहने को कह दिया था। इसलिए 30 मई की शाम होते ही तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर दतिया से शिवपुरी के लिए निकल पड़े।

तीनों जब रास्ते में तब मालती को फोन राजेश के नंबर पर आया और मिलने के लिए पहले से तय समय रात 8 के बजाए 10 बजे दुल्हई तिराहे पर आकर उसका इंतजार करने को कहा।

अरे यार 10 क्यों, हम लोगों को वापसी में देर हो जाएगी। मालती की बात सुनकर राजेश ने कहा तो मालती बोली अरे आओ तो ऐसी लड़कियां है कि एक बार में मन नहीं भरने वाला तुम्हारे दोस्तों का। तुम लोग सुबह वापस जाना।

अरे नहीं यार।

क्या नहीं यार, तुम्हारे दोस्तों को वापस जाना हो तो चले जाएं मगर तुम सुबह जाना क्योंकि मेरा मन तुमसे एक बार में नहीं भरने वाला।

मालती की बात सुनकर राजेश फूलकर कुप्पा हो गया। इसलिए तीनों ठीक दस बजे दुल्हई तिराहे पर पहुंच गए। चारों तरफ गहरा अंधेरा देखकर मदन बोला लगता है गुरू बना दिया उसने हमें, इस अंधेरे में कौन मिलेगा यहां। लेकिन अभी मदन की बात पूरी भी नहीं हुई थी के बगल से खेत ने एक युवती निकलकर सामने आकर बोली आप लोगों में से राजेश कौन हैं। उसकी बात सुनकर राजेश आगे आकर मैं, आप मालती जी हैं न,

हां आपकी दीवानी। आओ कहकर मालती खेत की तरफ बड़ी तो गाड़ी को साइड से लगाकर तीनों उसके पीछे हो गए। कुछ दूरी पर खेत की मेड़ पर दो युवतियां बैठी थी जिनकी तरफ इशारा करके मालती मदन और विजय से बोली इनके साथ चले जाईये सामने एक कमरा है। मालती की बात सुनकर दोनों लड़कियां मदन और विजय को लेकर कमरे में चली गई यहां खुद मालती राजेश की बाहों में लिपटकर वही मेड़ पर बैठ गई। जहां थोड़ी देर तक राजेश से बात करने के बाद मालती अपने कपड़े उतारने के बाद राजेश के कपड़े भी निकालकर उसके ऊपर झुक गई लेकिन इससे पहले की इनके प्यार की कहानी कुछ आगे बढ़ती अचानक की अंधेरे से निकलकर चार युवक सामने आ गए और राजेश को खेत में बलात्कार करने की बात कहकर उसके साथ मारपीट करते हुए खेत में बने कमरे में ले गए जहां विजय और मदन को भी बाकी की दोनों लड़कियों के साथ पूरी तरह निर्वस्त्र अवस्था में पकड़ने के बाद मारपीट की और थाने चलने के लिए तीनों को घसीटने लगे। दूसरी तरफ मौका देखकर दोनों युवतियां और खुद मालती भी तीनों दोस्तों पर जबरन बलात्कार करने का आरोप लगाने लगी। यह देखकर विजय, मदन और राजेश तीनों, उनके पैरों पर गिर गए। उसके पास दस बारह हजार रुपया जो भी था सब अपनी जेबों से निकालकर बाहर रख दिया और छोड़ देने की गुहार लगाने लगे। यह देखकर चारों युवक ने उनसे पांच लाख की मांग की लेकिन कोई घंटे भर बाद सौदा एक लाख में तय हो गया। इसके लिए उन लोगों ने दो के मोबाइल और बाइक जमानत के तौर पर रखकर दूसरे दिन पैसा लेकर आने का कहकर वहां से भगा दिया।

तीनों दोस्त समझ गए कि वे किसी गिरोह के चंगुल में फंस चुके है इसलिए 31 मई की सुबह जैसे ही एक युवक ने राजेश को फोन कर दोपहर 12 बजे तक पैसा लेकर आने कहा वैसे ही तीनों दोस्तों ने भौंती थाने जाकर पूरी घटना सुनाते हुए ठगी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिससे एसपी अमन सिंह राठौर के निर्देश पर हौती थाना टीआई मनोज राजपूत ने घेराबंदी कर मामले की मास्टर माइंड युवती मालती और एक साथी को गिरफ्तार कर लिया। जबकि बाकी दोनों युवतियों और अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

पहले भी कई युवकों को ठगा है गिरोह ने

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

जानकारी सामने आने के बाद इलाके के लोगों का कहना है कि इस गिरोह द्वारा ठगी का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी यह गिरोह कई बाहरी युवकों को इसी तरह फंसाकर ठग चुका है। टीआई भौंती का कहना है कि फरार लड़कियों सहित बाकी बदमाशों के पकड़े जाने पर पूरा मामला सामने आएगा।

रात में ही सोच लिया था पुलिस से मदद लेने का

आरोपियों का अदालत ले जाती पुलिस।

इस संबंध में गिरोह का शिकार बने तीनों युवकों का कहना है कि घटना के बाद वे समझ गए थे कि उनके साथ धोखा किया गया है जो एक लाख चुकाने के बाद भी खत्म नहीं होने वाला। इसलिए उन लोगों ने रात में ही दूसरे दिन पुलिस में जाने का फैसला कर लिया था। मदन और विजय को अपने साथ कमरे में ले जाने वाली दोनों युवतियों के बारे में बताया जा रहा है कि शिवपुरी निवासी दोनों युवतियां मुंबई के डांस बार में काम करती है जो पहले भी ऐसे कई मामलों में शामिल रह चुकी है।

रीवा

शादी के 10 दिन बाद ही नाबालिग पोती ने प्रेमी के संग मिलकर कर दी दादी की हत्या

प्रेमी की याद में तड़प रही रजनी को पति का संग जरा भी नही भाया इसलिए शादी के बाद पहली बार लौटकर मायके आते ही पोती ने अपने आशिक के साथ मिलकर दादी की हत्या कर दी।

दुश्मन दादी की

माता-पिता की मौत के बाद विधवा बूढ़ी दादी की आंखों में धूल झोंककर रजनी किशोर उम्र में अपने प्रेमी को घर में बुलाकर जवानी के खेल खेलने लगी थी। इस बात की भनक लगने पर दादी ने लड़कों की संगत की लत पाल चुकी रजनी की शादी कर दी मगर...

demo pic.

सुबह के वक्त रीवा जिले में अतरैला थाना प्रभारी को अभी थाने पहुंचे बमुश्किल आधा घंटा ही बीता था कि उनके थाना इलाके के कोनी कला गांव के सरपंच ने गांव के नाले में एक महिला का शव पड़े होने की खबर दी।

खबर पाकर मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी और एसडीओपी उदित मिश्रा ने टीम के साथ गांव वालों की मदद लेकर लगभग 65 वर्षीय वृद्ध महिला का अर्धनग्न शव नाले से बाहर निकाला तो उसे देखते ही गांव वालों ने शव की पहचान गांव में रहने वाली विधवा ब्राह्मण महिला के रूप में कर दी।

गांव वालों ने बताया कि वृद्धा के बेटे बहू की मौत दस साल पहले ही हो चुकी है। घर में उसके संग के 17 साल की पोती थी रजनी (बदला नाम) जिसकी शादी उसने दस दिन पहले की 8 जून को पास के एक गांव में की थी। इसलिए परिवार में उस पोती के अलावा कोई ओर नहीं था जो दो दिन पहले की ससुराल से पहली बार वापस मायके 16 जून को आई थी।

शव अर्धनग्न था इसलिए महिला के साथ बुरा काम किए जाने की संभावना से इंकार तो नहीं किया जा सकता था। लेकिन 65-70 साल की वृद्धा के साथ बुरा काम किए जाने की बात आसानी से गले नहीं उतरती। इसलिए अधिक संभावना रंजिश को लेकर की गई हत्या की थी।

विवेक लाल
एडीशनल एसपी

इसी बीच मृतका की पोती रजनी खबर पाकर मौके पर आकर अपनी दादी के शव से लिपटकर रोने लगी। उस दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी इसलिए थाना प्रभारी ने देखा कि रजनी के हाथों की मेंहदी ओर पैरों में लगे महावर का रंग अभी पूरी तरह छूटा नहीं था।

पुलिस ने रजनी को शव से अलग कर उसे पीएम के लिए भेजने के बाद गांव में वृद्धा की किसी रंजिश के बारे में पूछताछ की जिसमें और तो कुछ सामने नहीं आया हां लोगों ने यह जरूर बताया कि वृद्धा की नाबालिग पोती रजनी का गांव के एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस बात को लेकर वृद्धा कई बार युवक के परिवार वालों से झगड़ा कर चुकी थी।

रजनी का प्रेमी किशन (बदला नाम) भी अभी नाबालिग था और उसका पिता भी बेटे की इस हरकत से परेशान था सो वह कई बार अपने बेटे की सार्वजनिक पिटाई कर चुका था। एक बार तो स्वयं वृद्धा ने भी रजनी ओर किशन की एक साथ पिटाई की थी। लेकिन यह दो नाबालिग अपने इश्क से बाज नहीं आ रहे थे। इसीलिए वृद्धा ने जल्दबाजी में 17 साल की उम्र में रजनी की शादी कर दी थी।

फिर पूरी रात की अय्याशी

बताया जाता है कि दादी की हत्या करने के बाद रजनी और किशन दोनों गांव के पास आकर अलग-अलग हो गए जिसके बाद योजना अनुसार रजनी के घर पहुंचने के कुछ देर बाद किशन भी वहां पहुंच गया जिसके बाद दोनों ने बेफ्रिक होकर रात भर अय्याशी की और सुबह होने पर किशन उठकर अपने घर चला गया।

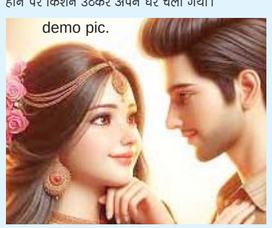

demo pic.

गांव वालों से मिली जानकारी के अनुसार शक के दायरे में केवल मृतका की पोती रजनी ओर उसका आशिक किशन ही आ रहे थे। लेकिन दोनों ही नाबालिग थे फिर पोती उस दादी की हत्या क्यों करेगी जिसने पोती के अनाथ हो जाने पर पालपोश का बड़ा किया था।

लेकिन इसी बीच पुलिस को पता चला कि मृतका रात में 8 बजे के आसपास अपने घर में देखी गई थी। इससे यह साफ था कि यह बात पोती रजनी बता सकती थी कि आखिर रात में उसकी दादी किसके साथ और क्यों घर से बाहर गई थी?

पुलिस ने जब इस बारे में रजनी से पूछा तो उसने बताया कि वह रात में जल्दी सो गई थी इसलिए उसे नहीं मालूम की दादी कब घर से बाहर निकली।

अब तक पड़ोस के गांव से रजनी का पति और ससुराल के दूसरे रिश्तेदार गांव आ चुके थे। इसलिए पुलिस ने रजनी के पति से सामान्य पूछताछ की तो उसने बताया कि मैं क्या कह सकता हूं कल रात में एक बजे के तक उसकी फोन पर रजनी से बात होती रही थी तब तो रजनी ने कुछ नही बताया था।

बस रजनी के पति की इस बात से थाना प्रभारी समझ गए कि दादी की हत्या उसकी पोती रजनी ने ही की है क्योंकि थोड़ी देर पहले रजनी ने पुलिस को बताया था कि वो रात में जल्दी सो गई थी। जबकि उसका पति बता रहा था कि रजनी रात में एक बजे तक उससे बात करती रही थी।

पुलिस के सामने यह भी साफ था कि 17 साल की रजनी अकेले अपनी दादी की हत्या नहीं कर सकती। फिर जिस तरह से मृतका के शरीर पर चाकू के गहरे घाव वे उससे साफ था कि वार किसी पुरुष ने किए है। इसलिए पुलिस ने मृतका का अंतिम संस्कार होते ही रजनी ओर उसके आशिक किशन को पूछताछ के लिए थाने बुला लिया।

दोनों नाबालिग थे और आदतन अपराधी भी नहीं थे इसलिए पुलिस के सवालों के सामने कब तक टिकते। जल्द ही दोनों टूट गए और प्यार में रुकावट बनने के कारण दादी की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। रजनी का कहना था कि उसकी योजना दादी की मौत के बाद ससुराल छोड़कर गांव में ही प्रेमी के संग रहने की थी।

पुलिस ने दोनों अपचारियों के पास से हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर उन्हें बाल न्यायालय में पेश किया जहां से उनको बाल संरक्षण गृह भेज दिया गया जिसके बाद यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

कोई दस साल पहले रजनी के माता-पिता की असमय एक साथ हुई मृत्यु के बाद मासूम रजनी की देखरेख की पूरी जिम्मेदारी बूढ़ी दादी पर आ गई थी। दादी ने किसी तरह मेहनत मजूदरी कर रजनी को पाला।

उसकी इच्छा तो रजनी को पढ़ा-लिखा का काबिल बनाने की थी लेकिन एक तो उसकी इतनी कमाई न थी दूसरे जमाने को देखते हुए उसे रजनी को अकेले कहीं भी भेजने में डर लगता था।

रजनी के घर से थोड़ी दूर पर ही किशन का घर था। किशन उसका हमउम्र था सो बचपन में दोनों खूब साथ खेले थे। लेकिन रजनी ने ज्यों की किशोर उम्र में पैर रखा और उसमें यौवन के संकेत दिखना आरंभ हुए वैसे ही दादी ने उसके घर से बाहर निकलने पर रोक लगा दी।

रजनी को यह बात समझ में नहीं आई लेकिन दादी स्वभाव की काफी तेज थी इसलिए उससे बहस करने की हिम्मत रजनी में नहीं थी।

इसी बीच एक रोज दादी के मजदूरी पर जाने के बाद रजनी घर पर अकेली थी तभी किशन उसकी गली से गुजरा। रजनी को देखकर उसने कहा क्या बात है आजकल तुम तो घर से ही नहीं निकलती।

क्या बताऊं दादी ने मना किया है?

क्यों?

अब मैं क्या जानू क्यों? पर दिन भर घर में अकेली पागल हो जाती हूं। सुनो एक काम करो न जब दादी चली जाती है तब तुम कभी-कभी मिलने आ जाया करो न मेरा भी मन लगा रहेगा।

किशन ने उसकी बात मान ली जिसके बाद वह हफ्ते में दो-तीन बार रजनी से मिलने दोपहर में उसके घर जाने लगा। जिससे उनके बीच दोस्ती गहराने लगी।

संयोग से इसी बीच गांव में एक बलात्कार की घटना हो गई। सब दूर इसकी चर्चा थी जिसके चलते जब अगली बार किशन रजनी से मिलने पहुंचा तो रजनी ने पूछा थे बलात्कार क्या होता है।

रजनी की बात सुनकर किशन हंसा। उसने टालने के लिए कहा मुझे नहीं मालूम ये क्या होता है। लेकिन रजनी समझ गई कि किशन जानता है लेकिन उसे बता नहीं रहा इसलिए वह जिद करने लगी। तो किशन ने बताया कि लड़की की मर्जी के बिना उसके साथ सेक्स करने को बलात्कार कहते हैं। ऐसा करने पर पुलिस लड़कों को पकड़ ले जाती है। किशन की बात सुनकर रजनी बुरी तरह शर्मा गई क्योंकि सेक्स का मतलब तो वह अच्छी तरह जानती थी।

राजा ने उसे शर्माते देखकर कहा क्या हुआ?

कुछ नहीं अब तुम जाओ यहां से रजनी ने आंखे चुराते हुए कहा तो किशन चुपचाप उठकर चला गया। उसे लगा कि शायद रजनी उससे नाराज हो गई है इसलिए वह डर के कारण उसने रजनी के घर आना ही बंद कर दिया तो रजनी परेशान रहने लगी। ऐसे में एक दिन उसने पड़ोस में रहने वाले एक छोटे बच्चे को पास बुलाकर उसे किशन के पास यह कहने भेजा कि उसे रजनी बुला रही है।

रजनी का संदेश सुनकर किशन घर आया तो रजनी ने उससे पूछा कि आजकल मिलने क्यों नहीं आते?

मुझे लगा तुम नाराज हो मुझसे।

क्यों भला?

वो बलात्कार वाली बात पर।

पागल वो तुमने बताई थोड़ी न थी मैंने खुद तुमसे पूछा था। अब बैठो रजनी ने उसका हाथ पकड़कर पास बैठाते हुए कहा तो राजा को माना करंट सा छू गया। यही हाल रजनी का हुआ इसलिए उसने भी चौंक कर हाथ छोड़ दिया।

क्या हुआ? किशन ने पूछा।

कुछ नहीं।

झूठ मत बोलो, अच्छा लगा न?

हां।

मुझे भी। एक बार फिर छुओ न मुझे।

नहीं मुझे शर्म आती है।

तो मैं छू लू तुम्हें।

हूं।

रजनी ने हां कहा तो किशन ने उसका हाथ थाम लिया। बस उसी दिन के बाद उन दोनों के मन में समय से पहले जवानी की आग सुलगने लगी जिससे चंद रोज बाद ही एक रोज उनके बीच संबंध भी बन गए। उस समय रजनी और किशन दोनों की 15 साल के थे। इसलिए नादान मन बिना कुछ सोचे रोज इस सुख की मांग करने लगा जिससे कभी-कभी रजनी के घर आने वाला किशन रोज दोपहर में उससे मिलने आने लगा जिस से यह बात जल्द ही रजनी की दादी को मालूम चल गई तो वे रजनी को अपने साथ काम पर लेकर जाने लगी।

इससे रजनी और किशन दोनों परेशान थे इसलिए कुछ दिनों के बाद रजनी ने एक सहेली की मदद से राजा को रात में घर के पिछवाड़े आने की खबर भेज दी। जिसके बाद थकी हारी दादी के गहरी नींद में सो जाने के बाद रजनी घर से निकलकर पीछे बाड़े में अपने प्रेमी के संग वासना में डूबने लगी। लेकिन एक रोज दादी की नींद खुल जाने से उसका भेद खुल गया तो दादी ने रात में रजनी की और सुबह किशन को घर से निकाल कर उसके दरवाजे पर ही किशन की पिटाई कर दी।

किशन के पिता को बेटे की हरकत का पता चला तो उन्होंने भी उसकी खासी मरम्मत कर डाली।

इस घटना के बाद महीने भर तक तो दोनों प्रेमी चुप रहे लेकिन इसके बाद फिर रात में मिलने मिलाने का खेल शुरू हो गया। इसलिए जब दादी ने दूसरी बार पोती को बेशर्मी करते पकड़ा तो 17 की उम्र में ही 8 जून को उसकी शादी कर दी।

पोती को विदा कर दादी ने चैन की सांस ली लेकिन उन्हें इस बात का आभास नहीं था कि की कच्ची उम्र में दिल जिससे लग जाए उसकी आग आसानी से नहीं बुझती। इसलिए शादी के बाद सुहागरात में पति के साथ सोते हुए रजनी ने मन ही मन फैसला कर लिया कि वो इसके साथ नहीं रहेगी।

इसलिए उसने दूसरे दिन ही उसने अपने पति के फोन से गांव की एक सहेली को फोन कर बता दिया कि वो किशन तक खबर पहुंचा

demo pic.

बिस्तर पर प्रेमी, फोन पर पति

दादी की हत्या के बाद जब रजनी घर में प्रेमी को बुलाकर उसके साथ बिस्तर पर थी तभी आधी रात में उसके पति का फोन आया तो शातिर रजनी प्रेमी से प्यार करते हुए पति से बात करती रही इतना ही नहीं पति के जिद करने पर उसने किशन को बिस्तर के नीचे छुपाकर थोड़ी देर तक वीडियो कॉल पर भी पति से बात की।

दे कि जिस दिन वो मायके वापस आएगी उस रोज किशन उससे रात में मिले।

16 जून को रजनी मायके वापस आई तो उसी रात किशन उससे मिला। इस मुलाकात में रजनी ने उससे साफ कह दिया कि अब वो पति के पास नहीं जाएगी।

वो तो ठीक है लेकिन तू ऐसा करेगी तो तेरी दादी मुझे जिंदा नहीं छोड़ेगी, किशन ने अपनी शंका व्यक्त की।

तो ठीक है हम ही दादी को खत्म कर देते हैं। हमारे ऊपर कोई शक भी नहीं करेगा, किशन की बात सुनकर रजनी ने कहा तो वह भी राजी हो गया। जिसके चलते चौथे दिन रजनी रात में लगभग दस बजे दादी को बहाने से गांव के बाहर सुनसान इलाके में ले गई जहां चाकू लेकर छुपे राजा ने रजनी की मदद से दादी की हत्या कर दी।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

हत्या के बाद घसीट कर नाले में फेंका शव

पूछताछ में रजनी और किशन ने बताया कि उनकी योजना नाले के पास लाकर दादी की हत्या करने की थी। लेकिन रजनी के साथ कुछ दूर आने के बाद उन्होंने आगे से जाने से मना कर दिया। उनका कहना था कि आधी रात में वो उन्हें कहां ले जा रही है। दादी वापस लौटने लगी तो मजबूरी में वहीं उनकी हत्या करनी पड़ी। हत्या के बाद लगभग 100 मीटर तक दोनों ने उनका शव घसीट कर नाले में फेंक दिया था।

घटना के बाद दुखी गांव की महिलाएं तथा अन्य परिजन।

नोयडा

नाक की लोंग से खुला करोड़पति व्यापारी की पत्नी के अंधे कत्ल का राज

लोंग का लश्कारा

दिल्ली एनसीआर के इलाके में आधा मार्च बीत जाने पर भी हवा में ठंडक का असर बरकरार था। ऐसे में नोयडा के छावला थाना एसएचओ को 15 मार्च की सुबह इलाके के एक नाले में एक लाश पड़ी होने की खबर मिली। लगभग 45-50 साल की महिला के शव को बेड शीट में लपेटने के बाद उसकी कमर से सीमेंट से भरी बोरी भी बांधी गई थी। जिससे साफ था कि महिला की हत्या की गई थी। काफी खराब हो जाने के बाद भी शव के बदन पर मिले कपड़ों से इतना तो अनुमान लगाया ही जा सकता था कि मृतका का संबंध किसी संपन्न परिवार से हो सकता है।

मामला अंधे कत्ल का था इसलिए पुलिस इलाके से गायब महिलाओं की जानकारी जुटाने के अलावा थाने में किसी महिला की गुमशुदगी दर्ज करवाए जाने का इंतजार करने लगी। लेकिन पुलिस जानती थी कि मृतका हाईप्रोफाइल परिवार की है इसलिए ऐसे परिवार से लापता महिला की जानकारी सड़कों पर नहीं मिल सकती थी। इसलिए जब कहीं से कोई सुराग नहीं लगा तो पुलिस ने एक बार फिर बारीकी से शव की जांच की जिससे पुलिस का ध्यान महिला की नाक की पिन पर गया। सोने की नोज पिन में शायद छोटा सा हीरा जड़ा गया था इससे पुलिस समझ गई कि यह किसी कंपनी के शो रूम से ही खरीदी गई होगी। इसलिए नोज पिन पर उकेरे गए हाल मार्क की मदद से पुलिस दक्षिण दिल्ली के एक नामचीन ज्वैलर्स की दुकान तक पहुंच गई जहां से यह नोज पिन खरीदी गई थी।

यहां पुलिस को मालूम चला कि यह नोज पिन नामी प्रापर्टी ब्रोकर अनिल सिंह ने अपनी पत्नी निशा सिंह के लिए खरीदी थी। जिसका बिल अनिल के नाम से था। उन्होंने ऑन लाइन पेमेंट किया था इसलिए पुलिस ने उनका नंबर निकालकर फोन अनिल को करके पूछा - निशा सिंह कौन हैं?

माय वाईफ।

उनसे बात हो सकती है क्या?

जी नहीं वह वृंदावन गई है।

demo pic.

सीमा के संग शादी के बाद अनिल की किस्मत ने अचानक पलटा खाया और वह देखते ही देखते पार्टटाइम मोबाइल सुधारने वाले से दिल्ली का करोड़पति प्रापर्टी ब्रोकर बन गया। लेकिन अचानक मिली सफलता को अनिल पचा नहीं पाया और ...

जबाव नहीं दिया जिससे वह शक के दायरे में आ गया। अभी पुलिस ने अनिल को शव मिलने की बात नहीं बताई थी लेकिन इतना तो पुलिस जानती है कि यदि शव अनिल ने फेंका है तो वह शव के मिलने न मिलने पर भी नजर रखे होगा।

बहरहाल जब पांच दिन बाद भी निशा वृंदावन से वापस नहीं आई और न अनिल ने कोई सीधा जबाव दिया तो पुलिस ने अनिल के आफिस पर छापा मारा जहां उसको निशा की मां का नंबर मिल गया। मां को फोन करने पर पता चला कि उनकी भी अपनी बेटी से 11 मार्च से कोई बात नहीं हुई है। अनिल से ही बात होती है जिसमें उसका कहना था कि वो और निशा जयपुर घूमने आए हैं। निशा से बात करवाने के लिए वह कभी कहता कि निशा का मूड ठीक नहीं है तो कभी कहना वह सो रही है।

पुलिस को शक हो गया इसलिए उसने निशा की मां और बहन को बुलाकर लाश दिखाई जिससे उन्होंने उसकी पहचान निशा के तौर पर कर दी। साथ ही अनिल पर निशा की हत्या करने का शक व्यक्त किया। उन्होंने पुलिस को यह भी जानकारी दी कि अनिल इन दिनों गुरुग्राम के अपने आलीशान फार्म हाऊस में मां और भाई के साथ रहता है जबकि निशा अकेली द्वारका के एक छोटे से मकान में रहती थी। जहां सुविधा के नाम पर उसके केवल एक गार्ड दिया था।

पुलिस ने तुरंत अमेठी निवासी गार्ड शंकर को उठाकर उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने बता दिया कि 11 मार्च की रात में साहब ने गला दबा कर मैडम की हत्या की थी। उसने यह भी माना कि साहब के कहने पर उसने लाश को नफजगढ़ के नाले में फेंकने में मदद की थी। इसलिए पुलिस ने अनिल को भी गिरफ्तार कर लिया जिसके बाद यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

अनिल और निशा की मुलाकात 2004 में नोयडा की मोबाइल शॉप में हुई थी। निशा शॉप में अपना मोबाइल रिपेयर करवाने गई थी जहां अनिल पार्टटाइम काम करता था। पहली मुलाकात में दोनों की दोस्ती हुई फिर जल्द ही प्यार होने के छह माह बाद ही 2005 में दोनों ने शादी कर ली। शादी के बाद अनिल की किस्मत ने अचानक पलटा खाया। वह प्रापर्टी के काम में आ गया जहां देखते ही देखते चंद सालों में ही उसने करोड़ों रुपए कमाए और नोयडा का नामी प्रापर्टी ब्रोकर माना जाने लगा। इसी बीच अनिल ने न केवल एक भव्य आफिस खोल लिया बल्कि नोयड़ा में एक बड़ा फार्म हाऊस भी खरीदकर उसमें मां और भाई को रख दिया।

दरअसल अनिल अपनी मां और भाई को इसलिए प्रभाव में लेना चाहता था क्योंकि इस दौरान उसने प्रेम संबंध आफिस में काम करने वाली एक युवती से बन गए थे। बताते हैं कि अनिल लगभग पचास के आसपास पहुंच रहा था जबकि उसकी प्रेमिका केवल 26 साल की थी। अनिल पार्टी के नाम पर प्रेमिका के साथ अक्सर घर से बाहर रहने लगा। इस बीच अगर निशा उसे पूछती भी तो वह मां के पास फार्म हाऊस में रहने का झूठ बोल देता। एक दो बार निशा ने अपनी सास से इस बारे में पूछा तो उन्होंने ने भी अनिल के झूठ का सच बता दिया। लेकिन सच्चाई कब तक छुप सकती थी। जल्द ही निशा को पूरी बात मालूम चली हो उनके बीच विवाद होने लगा जिससे अनिल ने निशा को घर का पर्याप्त खर्च देना भी बंद कर दिया और अधिकतर समय वह मां और भाई के साथ रहने लगा। अनिल के इस व्यवहार से दोनों के बीच विवाद लगातार बढ़ता गया जिसके चलते 11 मार्च की रात अनिल ने गला दबाकर निशा की हत्या कर शव को गार्ड शंकर की मदद से नफजगढ़ नाले में फेंक दिया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

नाक की नोज पिन ने खोला राज

मृतका निशा।

निशा के शव की पहचान उसके द्वारा नाक में पहनी हीरे की नोज पिन से हुई थी। सोने से बनी हीरे की यह नोज पिन एक नामी ज्वैलर्स के शोरूम से खरीदी गई थी। नोज पिन के हॉल मार्क नंबर से खरीददार की पहचान हो जाने से पूरी कहानी सामने आ गई।

प्रेमिका की भूमिका तलाश रही पुलिस

इस मामले में पुलिस को जानकारी लगी है कि अनिल के प्रेम संबंध अपने आफिस में काम करने वाली एक युवती से बन गए थे जो उससे उम्र में

जांच करती पुलिस टीम।

आधी है। माना जाना रहा है कि प्रेमिका के साथ रहने के लिए ही अनिल ने निशा की हत्या की है इसलिए पुलिस अनिल की प्रेमिका की भूमिका की भी जांच कर रही है।

नहीं संभाल पाया दौलत का नशा

निशा के संग प्रेम विवाह के दौरान अनिल एक मोबाइल रिपेयर शॉप में पार्ट टाईम काम करता था। लेकिन कुछ समय बाद उसकी किस्मत ने पलटा खाया और प्रापर्टी के व्यापार से जुड़कर उसने करोड़ों कमाए। लेकिन दौलत का नशा अनिल संभाल नहीं सका और कातिल बन बैठा।

इंदौर

वीडियो कॉल पर गर्लफ्रेंड का अश्लील वीडियों बनाकर किया ब्लैकमेल

demo pic.

यू आर ब्यूटीफुल

सोशल मीडिया के विपरीत लिंगी दोस्तों से मिलने वाले दर्द की जानकारी लगभग हर सोशल मीडिया एडिक्ट युवक-युवती को होती ही है। इसके बाद भी इंसान के रुप में बैठे मयूर जैसे कुछ भेड़िये मासूम लड़कियों को शिकार बनाने में सफल हो ही जाते हैं।

.....

लगभग एक महीना बीत चुका था जब इंदौर की एक मंहगी कालोनी में रहने वाली प्रिया (बदला नाम) को सुबह बिस्तर से उठते ही पहले तो कुछ देर चक्कर आते और फिर उल्टी करने को मन करता। ऐसे में उसने कई बार वाशरूम में जाकर उल्टी करने की कोशिश भी की लेकिन जी मिचलाने के बाद भी उल्टी कभी ठीक तरह से आई नहीं।

मार्च का पहला हफ्ता बीत चुका था। प्रिया के घर के सामने वाले बंगले में लगे आम पर बौर आ जाने के बाद सुबह-सुबह कोयल के कूकने का क्रम शुरू हो चुका था। इसलिए उस रोज जब उसने सुबह कोयल की मीठी आवाज सुनी तो आम कच्ची कैरी की याद आते ही उसके मुंह में पानी आ गया। उस समय तो प्रिया ने ध्यान नहीं दिया लेकिन फिर उसका मन दिन भर कैरी खाने का मचलता रहा। इसलिए शाम को जब वह पड़ोस में रहने वाली एक सहेली के साथ कालोनी की सड़क पर टहल रही थी तो अचानक ही उसने सहेली से कैरी खाने की इच्छा जाहिर कर दी।

क्या बात है सुबह उल्टी कर रही है और शाम को खटाई खाने को मन कर रहा है। कहीं तू मां बनने वाली तो नहीं? कहते हुए प्रिया की सहेली उसकी पीठ पर हाथ मारते हुए खिलखिला कर हंस पड़ी।

धत्त बेशर्म कहीं की प्रिया ने अपनी सहेली से कहा। प्रिया ने सहेली को बेशर्म बता तो दिया लेकिन उसकी बात सुनकर वह अंदर तक कांप गई। क्योंकि इस तरफ तो उसने सोचा भी नहीं था। जबकि केवल वह जानती थी कि ऐसा कुछ हो भी सकता है जैसा की उसकी सहेली मजाक में कह रहीं थी। इसलिए फिर उसका मन घूमने में नहीं लगा। वह मन ही मन अपने पीरियड की डेट का हिसाब लगाने लगी। इस हिसाब किताब में जब जो जमा-खर्च उसके हाथ आया और जब उसे पता चला कि उसका पीरियड तो पन्द्रह-बीस दिन पहले आ जाना चाहिए था जो नहीं आया था। अब प्रिया के हाथ पैर कांपने लगे और वह रात भर यही सोचती रही कि अगर सचमुच उसके गर्भ में बच्चा आ गया होगा तो क्या होगा?

इस चिंता में प्रिया बीमार हो गई तो प्रिया की मां उसे लेकर डॉक्टर के पास पहुंची जहां जांच के बाद लेडी डॉक्टर ने चेकअप के दौरान उससे अंदर टेबिल पर लेटने का कहा और मां तक आवाज न पहुंचे इसलिए उसने धीरे स्वर में प्रिया से पूछा, अनमैरिड हो न अभी?

जी।

कोई बॉयफ्रेंड है तुम्हारा?

हां मेरा बॉयफ्रेंड है मैडम।

सेक्स किया है उसके साथ, डॉक्टर से प्रिया से पूछा तो प्रिया चुप रह गई जिससे डॉक्टर को समझते देर नहीं लगी कि प्रिया का जबाव हां है। अस्पताल में लगी जानकारी से प्रिया के घर में तूफान आ गया था। फिर भी भावनाओं पर काबू कर मां से प्रिया को संभाला और पूरी बात बताने को कहा जिससे प्रिया ने उन्हें अपने एक सोशल मीडिया पर बने दोस्त मयूर पथरोड़ से मिले धोखे की पूरी कहानी सुना दी। जिसे सुनकर प्रिया के माता-पिता 16 मार्च को उसे लेकर अन्नपूर्णा पुलिस थाने पहुंचे जहां मौजूद महिला पुलिस अधिकारी ने प्रिया की कहानी जानकार राज मोहल्ला कालोनी निवासी मयूर पथरोड़ के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज करने के बाद उसके ठिकाने पर दबिश देकर अगले ही दिन उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सारी कहानी साफ हो जाने के बाद उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। जिसके बाद पुलिस ने मेडिकल जांच के बाद मयूर को अदालत में पेश किया जहां से उसे जेल भेज देने के बाद सोशल मीडिया पर फैल रहे जहर की यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

कोई साल भर पहले प्रिया की मुलाकात इंस्टाग्राम पर मयूर से हुई थी। मुलाकात के बाद कुछ दिनों तक दोनों की चैटिंग होती रही इसके बाद मयूर ने फोन पर बातचीत शुरू होते ही प्रिया कि दिमाग पर चारों तरफ जाल बुनना शुरू कर दिया। जिससे कुछ ही दिनों बाद मयूर प्रिया को इस बात पर राजी करने में सफल हो गया कि जब कभी प्रिया को मौका मिलेगा, यानी वह घर पर एकदम अकेली होगी तब वो मयूर को वीडियो कॉल करेगी।

कुछ ही दिनों बाद ऐसा भी मौका आ गया। जब प्रिया ने उसे वीडियो कॉल किया। इस दौरान मयूर ने अपना जाल फेंकते हुए प्रिया की सुंदरता और उसके सेक्सी फिगर की ऐसी तारीफ की कि एक बारगी तो प्रिया को भी लगने लगा कि भगवान से जैसा फिगर उसे दिया है वैसा शायद ही किसी और को दिया हो। दो चार वीडियो कॉलिंग के बाद मयूर ने अपना फाइनल दाव खेल दिया जिसके लिए वह इतने लंबे समय से फीलिंग जमा रहा था।

मार्च 2023 की बात है उस दिन घर पर मौजूद अकेली प्रिया ने मयूर को फोन किया तो मयूर ने फोट कट कर उसे वीडियो कॉल किया। इस कॉल के दौरान उसने हमेशा की तरफ प्रिया के फिगर को सेक्सी बताकर उसकी शारीरिक बनावट के बारे में कुछ ऐसी बातें करना शुरू कर दिया कि प्रिया की नशों में खून तेजी से दौड़ने लगा और प्रिया की इस हालत को समझते हुए मयूर ने प्रिया को अपनी न्यूड बॉडी दिखाने को कहा। मयूर की इस मांग को पूरी करने के लिए प्रिया ने साफ मना कर दिया लेकिन जब मयूर ने बहुत जोर देकर अपनी दोस्ती का वास्ता दिया तो प्रिया यह गलती कर बैठी। अपितु उसने शर्त केवल ऊपर के कपड़े हटाने की रखकर मयूर की बात मानी थी लेकिन जब मयूर ने उसके सौंदर्य की जी खोकर प्रशंसा की तो प्रिया के दिमाग ने काम करना बंद कर दिया और बस एक बौर बस एक और की मांग करते हुए मयूर ने प्रिया के सारे कपड़े उसके बदन से उतरवा दिए।

इस दौरान मयूर ने उसका न्यूड वीडियो बनाने के बाद एक दिन उसे दिखाया।

प्रिया मानो आसमान से सीधे जमीन पर आ गिरी हो। वह प्रिया का न्यूड वीडियो था जो मयूर ने वीडियो कालिंग के द्वारा स्क्रीन रिकार्ड कर बना लिया था। प्रिया डर गई उसने मयूर से कहा- यह सब क्या है मयूर?

हमारा प्यार है ये।

क्या इस धोखे को प्यार कहते हैं?

ये मैं नहीं जानता लेकिन इतना जानता हूं कि तुम बहुत सेक्सी हो इसलिए आज तुमसे खास मुलाकात के लिए मैंने कैफे में अपने एकांत में मिलने का इंतजाम भी कर लिया है।

मुझे नहीं मिलना, पहले तुम यह वीडियो डिलीट करो।

कर दूंगा, इसे डिलीट कर दूंगा लेकिन इसे बनाने में मैंने जो मेहनत की उसकी कीमत वसूले बिना मैं इसे डिलीट नहीं करुंगा।

क्या मतलब हैं तुम्हारा?

बच्ची नहीं हो जो मेरी बात का मतलब न समझो। सीधे से मेरी बात मान लो वर्ना तुम्हारा यह सेक्सी फिगर वाला वीडियो तुम्हारी कालोनी के हर बंगले में पहुंचा दूंगा।

प्रिया बुरी तरह फंस चुकी थी मयूर की बात सुनकर उसे धरती घूमती हुई दिखाई देने लगी थी। हाथ-पैर कांप रहे थे और पूरा बदन पसीना-पसीना हो रहा था। मयूर समझ गया कि प्रिया इस समय पूरे होश में नहीं है इसलिए वह प्रिया को सहारा देकर कमरे में ले गया जहां प्रिया के लाख मना करने के बाद उसके साथ बलात्कार ही नहीं किया बल्कि धमकी भी दी कि वो जब भी मिलने के लिए बुलाए चुपचाप मिलने आ जाए। उसने प्रिया को कहा कि मुझे खुश करती रहोगी तो तुम खुश रहोगी वर्ना इंदौर में तो क्या पूरे देश में तुम्हें और तुम्हारे परिवार को मुंह दिखाने के लायक नहीं छोड़ूंगा।

सब कुछ लुटा कर प्रिया घर लौटी तो उसका मन किसी काम में नहीं लग रहा था। वह उस वक्त को कोश रही थी जब उसने इंस्टाग्राम पर मयूर की दोस्ती स्वीकार की थी। कई बार उसका मन हुआ कि वो मां को सब कुछ बता दे लेकिन जैसे ही वीडियो काल के दौरान मयूर के कहने पर खुद के न्यूड होने की बात याद आती वह डर जाती। उसे लगता कि मां उसकी इस गलती के लिए उसको कभी माफ नहीं करेंगी। इसलिए चाह कर भी वह अपना दर्द किसी से न कह सकी और मयूर के धमकाने पर बार-बार उससे अकेले में मिलने के लिए मजबूर होती रही।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

देता था वीडियो वायरल कर देने की धमकी

जांच अधिकारी का कहना है कि आरोपी मयूर ने पीड़िता को उसका अश्लील वीडियो वायरल कर देने की धमकी देकर कई बार मिलने बुलाया और उसका यौन शोषण किया। इसी दौरान पीड़िता को गर्भ ठहर गया जिससे बात घर वालों के सामने खुल जाने पर परिवार ने आरोपी के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज करवाया जिसके चलते आरोपी मयूर पथरोड निवासी राज मोहल्ला कालोनी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

वीडियो काल के दौरान बनाया था पीड़िता का न्यूड वीडियो

जांच में सामने आया है कि आरोपी बेहद शातिर है। इसलिए उसने पहले तो पीड़िता के साथ दोस्ती का नाटक करके उसका भरोसा जीता और फिर वीडियो काल के दौरान पीड़िता को इमोशनली कमजोर कर उसे न्यूड होने का राजी करके मोबाइल की स्क्रीन रिकार्डिंग कर युवती का अश्लील वीडियो बना लिया। आरोपी इसी वीडियो का वायरल कर देने की धमकी देकर पीड़िता के साथ बलात्कार कर रहा था।

आरोपी मयूर।

धार

प्रेमी के साथ देख लेने पर मां ने कर दी जवान बेटे की हत्या

शादी के ठीक बाद गर्भ में पति का अंश लिए चंपा अपने मायके वापस आई तो फिर लौटकर नहीं गई। पैदा होने के बाद बेटा भी उसके वाप को लौटा दिया ताकि वह अपने मायके के प्रेमी के संग किशोर उम्र से चली आ रही अय्याशी की कहानी को आगे बढ़ा सके।

demo pic.

मां घर चलो न

जून महीने की 14 तारीख की दोपहर का वक्त था धार जिले के बाग थाना प्रभारी कैलाश चौहान रोजमर्रा के कामों में उलझे थे कि तभी थाना इलाके के गांव टकरी में एक युवक की हत्या कर दिए जाने की खबर मिली।

हत्या जैसे गंभीर अपराध की सूचना ने उन्हें थाने का काम अधूरा छोड़कर मौके पर जाने को मजबूर कर दिया था। इसलिए जब वह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे तो पाया कि टकरी गांव के बड़े किसान दीवान सिंह के खेत में लगभग 18-20 साल के युवक की शव पड़ा था जिसके शरीर कट्टे से निकले छर्रों से छलनी था।

मौके पर मौजूद गांव के लोगों ने बताया कि मृतक गांव की रहने वाली 35 वर्षीय युवती चंपा (बदला नाम) का बेटा इकेश चौघड है जो झाबुआ के राणापुर थाने के भोरकुंडिया गांव में अपने पिता करण के साथ रहता है।

यहां तक तो ठीक था टीआई श्री चौहान चौके तो उस वक्त जब लोगों ने बताया कि इकेश की हत्या किसी और न नहीं बल्कि खुद उसकी मां चंपा ने की है। इस बात के कई चश्मदीद थे जो आसपास के खेतों से मां-बेटे का विवाद देख रहे थे।

इसी बीच खबर पाकर भोरकुंडिया गांव से इकेश का पिता करण सिंह मौके पर पहुंचकर अपने जवान बेटे के शव से लिपट कर रोने लगा। मौके पर बिलख रहे पिता का कहना था कि मना किया था मैने बेटा तुझे कि मत जा मां के पास वो नहीं मानेगी लेकिन तू नहीं माना अब मैं किसके लिए जिंदा रहूं। यह कहते हुए करण सिंह खेत में बने कुएं में कूदकर जान देने के लिए भागा तो मौके पर मौजूद पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

करण सिंह के बातों से काफी कुछ कहानी पुलिस के सामने साफ हो गई थी इसलिए थाना प्रभारी ने तुंरत एक टीम गांव में चंपा की गिरफ्तारी के लिए रवाना कर दी लेकिन थोड़ी ही देर में पता चला कि चंपा खेत मालिक दीवान सिंह के साथ मोटर साइकल पर बैठकर गांव से फरार हो चुकी है। पूरे गांव को मालूम था कि चंपा ने बेटे की हत्या कर दी है ऐसे में दीवान सिंह द्वारा भागने में चंपा की मदद करने से वह भी पुलिस के शक के दायरे में आ गया।

पुलिस ने पीएम के बाद शव इकेश के पिता करण को सौंप दिया। जिसके अंतिम संस्कार के बाद करण सिंह ने पुलिस को बताया कि शादी के बाद चंपा उसके साथ केवल दो रात रही थी। इसके बाद जो मायके आई तो फिर वापस नहीं आई। इसके दस माह बाद इकेश का जन्म हुआ तो उसने यह कहते हुए इकेश को मुझे सौंप दिया था कि यह तुम्हारा खून है सो तुम्ही पालो। उसने बताया कि नाते रिश्तेदारों ने उसे समझाया कि जब तक बच्चा मां का दूध पीता है तब तक वो इसे अपने पास रखे लेकिन उसके बेटे का दूध पिलाने से भी साफ मना कर दिया। जिसके बाद पिता ने ही इकेश को पाला था।

बड़े होकर इकेश को भरोसा था कि वो अपनी मां को वापस ले आएगा इसलिए कई बार वह मां को लेने टकरी आया था। आज फिर वह रिश्तेदारों को साथ लेकर मां के पास आया था लेकिन चंपा ने उसकी हत्या कर दी। करण ने यह भी बताया कि उन्हीं रिश्तेदारों ने जो इकेश के साथ आए थे उसे इस बात की खबर की थी।

पुलिस ने तुरंत एक टीम बनाकर दीवान सिंह और चंपा की खोज में लगा दी। जिसके चलते आधी रात के आसपास पुलिस को खबर मिली की दीवान सिंह की मोटर साइकल जंगल में सड़क किनारे झाड़ियों के पीछे खड़ी है इस सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो मोटर साइकल से कुछ दूरी पर एक पेड़ के नीचे चंपा और दीवान से पूरी तरह से निर्वस्त्र अवस्था में अय्याशी करते पुलिस के हाथ लग गए। पूछताछ में जल्द ही चंपा और दीवान ने अपना अपराध स्वीकार कर हत्या में प्रयुक्त कट्टा भी जब्त करवा दिया जिसके बाद यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

टकरी गांव में जन्मी चंपा का घर दीवान सिंह के पड़ोस में ही था। दीवान चंपा से उम्र में तीन साल बड़ा जरूर था लेकिन दोनों का बचपन गांव में एक साथ दूसरे बच्चों के साथ खेलते हुए बीता।दीवान सिंह संपन्न किसान का बेटा था जबकि चंपा निम्न मध्यमवर्गीय किसान की बेटी।

आजकल इंटरनेट के युग में बच्चे समय से पहले जवान होने लगे है इसलिए 15 साल की उम्र में ही दीवान सिंह को मोबाइल पर अश्लील फिल्में देखने की लत लग चुकी थी। अब फिल्म देखी तो फिल्म की तरह करने की भी कोशिश करने लगा जिसके चलते एक दिन वह योजना बनाकर चंपा को चुपचाप अपने खेत पर ले गया जहां उसने चंपा को पहले तो मोबाइल पर एक अश्लील फिल्म दिखाई और फिर 12 साल की चंपा को शारीरिक रिश्तों का पहला अनुभव भी उसी रोज हुआ।

उस दिन के बाद चंपा और दीवान सिंह अक्सर अकेले में मिलकर वासना का खेल खेलने लगे। जिससे समय से पहले जवान दिखने लगी चंपा के माता पिता ने डरकर उसकी शादी पास राणापुर थाने के गांव भोरकुंडिया में रहने वाले करण सिंह के साथ कर दी।

17 साल की चंपा अपने पति के पास केवल दो रात रही इसके बाद मायके आई तो फिर वापस ससुराल नहीं गई। इसी बीच महीने भर बाद जब उसे खुद के गर्भवती होने का पता चला तो नौ महीने बाद जन्मा बेटा करण सिंह को सौंप दिया।

बेटी की इन हरकतों से परेशान उसके पिता ने साफ कह दिया कि वो अपने पति के घर जाए वह उसे जिंदगी भर घर में बैठाकर नहीं खिला सकता। यह बात जब चंपा के प्रेमी दीवान सिंह को मालूम चली तो उसने अपना एक खेत चंपा का बंटाई पर दे दिया जिससे चंपा पिता का घर छोड़कर गांव में अलग रहने लगी। कहना नहीं होगा कि इसके बाद चंपा शादीशुदा दीवान सिंह की रखैल जैसी बनकर गांव में रहने लगी।

इधर समय के साथ उसका बेटा बड़ा हुआ तो वह पिता से अपनी मां के बारे में पूछने लगा जिसके लिए करण सिंह ने पहले तो उसे टाला लेकिन जब वह बार-बार मां के बारे में पूछने लगा तो उसने बता दिया वो उसकी नानी के साथ रहती है। इस पर इकेश एक दो बाद मां को लेने टकरी गांव गया मगर चंपा उसके साथ नहीं आई।

समय के साथ कुछ रिश्तेदारों से इकेश को यह भी मालूम चल गया कि उसकी मां के ननिहाल में किसी व्यक्ति ने अवैध रिश्ते हैं इसलिए वह पिता के साथ नहीं रहती। इसलिए उसने ठान लिया कि वह मां इस पाप से रोककर पिता के पास लेकर आएगा।

इसलिए उसने पिता को बिना बताए अपने कुछ रिश्तेदारों को साथ चलने तैयार किया ताकि वह मां पर दबाव बना सके। जिसके बाद 14 जून को रिश्तेदारों को लेकर टकरी गांव पहुंच गया।

संयोग से उस समय मां घर पर नहीं थी। इसलिए लोगों से मां के खेत पर होने की बात जानकार वह खेत पहुंच गया। मगर उसे क्या मालूम था कि वह कैसे गलत समय पर आया है। जिस समय इकेश खेत पर पहुंचा उस वक्त उसकी मां खेत में बनी टपरी में अपने आशिक दीवान सिंह के साथ निर्वस्त्र वासना के गंदे नाले में डुबकी लगा रही थी।

इकेश के साथ आए रिश्तेदारों ने भी यह सब अपनी आंखों से देखा तो इकेश मारे शर्म के जमीन में गढ़ गया। उसने मां की यह हरकत देखकर उसे भला-बुरा कहना शुरू कर दिया। दूसरी तरफ इकेश के पहुंच जाने से अपनी अय्याशी में पड़े विघ्न से चंपा घायल नागिन सी फुंकार उठी। उसने इकेश को उसी वक्त वहां से चले जाने को कहा। लेकिन इकेश का कहना था कि वह अब उसने और यहां रहकर पाप नहीं करने देगा उसे साथ लेकर ही जाएगा।

चंपा इतनी बेशर्म थी कि इकेश और दूसरे रिश्तेदारों के सामने आ जाने पर भी उसने अपने कपड़े पहनना जरूरी नहीं समझा। वह उसी स्थिति में जवान बेटे के सामने खड़ी होकर बहस करने लगी। इकेश भी गुस्से में था सो वह दीवान सिंह के साथ गाली गलौंच करने लगा यह देखकर चंपा ने दीवान से उसका कट्टा मांगा और अपने हाथ में लेकर सीधा बेटे की तरफ तानकर फायर कर दिया।

कट्टा से निकले छर्रे इकेश माथे गले और सीने में लगे जिससे वह वहीं ढेर हो गया। यह देखकर साथ आए रिश्तेदारों ने उसे बचाने की कोशिश की तो चंपा ने उन्हें भी जान से मारने की धमकी देकर वहां से भगा दिया। इसलिए डरकर भागे रिश्तेदारों ने तत्काल घटना की जानकारी इकेश के पिता करण सिंह को दे दी। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर जांच के बाद उसी राज जंगल में अय्याशी कर रहे दीवान सिंह और चंपा को गिरफ्तार कर लिया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

दीवान सिंह की पत्नी भी डरती है चंपा से

इकेश की हत्या के बाद दीवान सिंह की पत्नी का कहना है कि वो मेरे पति को सरे आम मेरे सामने से अपने साथ ले जाती थी। एक बार मैंने उसे रोकने

मृतक इकेश एवं खेत से लाश बरामद करती पुलिस।

की कोशिश की तो वह मेरे ऊपर कुल्हाड़ी लेकर दौड़ी थी तब से मैने उसके और अपने पति के बीच में आना बंद कर दिया था। दीवान की पत्नी के अनुसार कई बार तो वह रात में मेरे घर आकर मेरे पति के साथ कमरे में सोती है।

... तो तू किस खेत की मूली है

पुलिस गिरफ्त में कातिल मां और उसका प्रेमी।

चंपा के बारे में बताया जाता है कि वह बेहद जिद्दी रही है। इसलिए जब बेटे ने उसे घर चलने कहा तो चंपा ने यह कहते हुए उसको गोली मार दी कि जब तेरा वाप मुझे अपने साथ नहीं ले जा पाया तो तू किस खेत की मूली है।